गाँव की नेहा की चूत से नेह-1

“नमस्ते दोस्तो, मेरा नाम रोहित शर्मा है। मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक नहीं हूँ पर अब कुछ दिनों से नियमित पढ़ रहा हूँ। मुझे इस साईट के बारे में कुछ ही दिन पहले पता चला जब मैंने अपने दोस्त को कहानी पढ़ते हुए देखा था। तब से लेकर मैं आज तक यही सोचता रहा कि […] ...”

Story By: (rohitsharma)
Posted: Wednesday, January 28th, 2015
Categories: जवान लड़की
Online version: गाँव की नेहा की चूत से नेह-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गाँव की नेहा की चूत से नेह-1

नमस्ते दोस्तो, मेरा नाम रोहित शर्मा है। मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक नहीं हूँ पर अब कुछ दिनों से नियमित पढ़ रहा हूँ।

मुझे इस साईट के बारे में कुछ ही दिन पहले पता चला जब मैंने अपने दोस्त को कहानी पढ़ते हुए देखा था।

तब से लेकर मैं आज तक यही सोचता रहा कि मैं भी अपनी एक पर्सनल बात आप लोगों के साथ शेयर कर लूँ, पर मैं यह बात शेयर करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था।

लेकिन मैंने भी अब अपनी बात को आपके साथ शेयर करने का मन बना लिया है।
अगर मेरी सच्ची कहानी क़ो लिखने में कोई त्रुटि आपको लगे तो मुझे अपना दोस्त समझकर उस त्रुटि को नज़रअंदाज़ कर देना।

अब कहानी पर आता हूँ।
हमारा गाँव मेरठ के पास है। पर मैं दिल्ली में रहता हूँ, मेरे घर में माँ पिताजी ओर मेरे दो छोटे भाई हैं। मेरी उम्र 22 वर्ष है, मैं दिखने में आकर्षक और गोरे रंग का हूँ, मेरा कद 5’6″ है।
मेरा लण्ड ज्यादा बड़ा नहीं है, साईज लगभग 6″ है।

बात आज से चार साल पहले की है जब मैं मेरठ में ग्याहरवीं क्लास में पढ़ता था तो मुझे अपने पड़ोस की एक लड़की नेहा से प्यार हो गया।

नेहा दिखने में बेहद आकर्षक थी। जिसका बदन 32-28-34 का और रंग गोरा था।

पूरी गली के लड़के उस पर लाइन मारते थे, उसका घर बिल्कुल मेरे घर के बराबर में था।

जब यह बात उसे पता चली कि मैं उससे प्यार करता हूँ तो पहले तो उसने मुझे कुछ जवाब नहीं दिया, लेकिन एक दिन जब मैं शाम को अपने घर की छत पर टहलने गया था तो उसी समय नेहा भी अपने घर की छत पर टहलने के लिए आ गई।

यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

उसने मौका पाते ही एक कागज मोड़ कर मेरे घर की छत पर फेंका, जब मैंने उस कागज को उठा कर खोल कर देखा तो मेरी खुशी का ठिकाना ना रहा, उसमें लिखा था- ..आई लव यू टू !

फिर हमारी बातें शुरु होने लग गई और एक महीने तक कुछ कुछ बातें होती रही। नेहा किसी के घर नहीं जाती थी पर वो मुझसे छत पर से बात कर लिया करती थी और कभी कभी घर पर भी आ जाती थी।

फिर एक दिन मैंने नेहा को बाहर मिलने को बोला और वो मुझ से मिलने आ गई।

हमने खूब बातें की और एक दूसरे को किस भी किया और फिर हम दोनों घर वापस आ गये।

अब नेहा से बात करने के लिए उसके घर में कैसे जाया जाये, मैंने यह सोचा पर कुछ हल न निकला। तीन दिन बाद नेहा की मम्मी और छोटी बहन ऋतु मेरे घर आई, मैं तब सो रहा था और घर पर अकेला था।

नेहा की मम्मी ने मुझे जगाया और ऋतु को पढ़ाने के लिए जैसे ही बोला, मेरी तो नींद ही उड़ गई। मेरी खुशी का ठिकाना ना रहा।

इससे पहले कि आंटी मुझे कुछ और बोलती, मैंने तुरंत ही बोल दिया- ..ठीक है आंटी, रात

को 8 से 10 तक पढ़ा दिया करूँगा।

आंटी बोली- ठीक है।

फिर वो दोनों चली गई।

मेरा तो काम बन गया था और मैं खुशी से पागल हो रहा था।

मैं 8 बजे से पहले खाना खाकर मम्मी से बोल कर नेहा के घर आ गया।

मुझे देख कर आंटी बोली- नेहा और ऋतु ऊपर के कमरे में हैं।

मैं बोला- अच्छा आंटी जी।

मैं ऊपर कमरे में चला गया, मुझे देख कर नेहा और ऋतु बड़ी खुश हुई।
फिर मैं भी उनके साथ बेड पर बैठ गया और मैंने ऋतु को इंग्लिश पढ़ने को बोला।

मैंने उसे सेंटेंस बनाने सिखाये और बनाने को दिये, वो उस में लग गई।

मैंने अपना हाथ ऋतु के पीछे से ले जाकर नेहा की कमर पर फेरने लगा ही था कि नेहा एकदम ऐसे उछली जैसे उसे करंट लग गया हो।
मैंने भी अपना हाथ बिजली की रफ़्तार से वापस खींचा।

तभी ऋतु बोली- क्या हुआ दीदी ?

नेहा बोली- कुछ नहीं, ऐसे लगा जैसे कुछ चुभ गया हो।

मैं मन ही मन मुस्करा रहा था और नेहा भी, मैंने फिर से हाथ लगाया।

इस बार नेहा ने कुछ नहीं किया पर वो मन ही मन मुस्कुरा रही थी। उसके शरीर पर रोंगटे खड़े हो गए थे, जिन्हें मैं साफ़ महसूस कर रहा था, नेहा के शरीर में हल्की सी कंपकपी भी हो रही थी।

कुछ ही देर में ऋतु ने सेंटेंस बना दिए, मैं ऋतु को बोला- वाह क्या बात है ऋतु, तू तो बड़ी समझदार है।

फिर मैंने उसे कुछ ओर सेन्टेन्स दिये और बोला- बस आज के लिए इतना ही काफी है।

इतना कहकर में छत के ऊपर से ही अपनी छत पर आ गया क्योंकि गाँव में बिजली रात में कम ही आती थी इसलिए जल्दी ही घना अन्धेरा छा जाता है।

मैं अपने कमरे में चला गया, तभी मुझे नेहा की हल्की सी आवाज सुनी।

मैंने बाहर आकर देखा तो वो नेहा ही थी, उसने मुझे एक किस की और वापस अपने कमरे में चली गई!

अब तक तो मैं उसे प्यार की नज़र से ही देखता था, पर नेहा के रिस्पांस की वजह से मुझमें और हिम्मत आ गई थी और मैं भी अब उसे वासना की नज़र से देखने लग गया था।

मुझे भी अब उसके साथ सेक्स करने को मन करने लगा था।

उस रात मैं काफी देर तक यही सोचता रहा, और फिर मुझे कब नींद आ गई पता ही नहीं चला।

उसी रात मुझे एक हसीं सपना आया जिसमें नेहा ओर मैं एक दूसरे को किस कर रहे थे।

मैं उसे पलट कर उसके गाल पर चुम्बन करने लगा और उसके होंठ चूसने लग गया।

जैसे ही मैंने उसके होंठ अपने होंठों में लिए, उसे करंट सा लगा।

मैंने टॉप के ऊपर से ही उसके मम्मे दबाना जारी रखा।
फिर मैंने अपनी जीभ उसके मुँह में डाल दी और हम एक-दूसरे को चूसने लगे।

उसे अजीब लगा क्योंकि यह उसका पहली बार था.. काफ़ी समय बाद मैंने उसको मुक्त किया।

फिर में नेहा के ऊपर लेट कर उसे चुम्बन करने लगा।
वो भी मेरा साथ देने लगी।

मैंने उसके टॉप में हाथ डाल कर उसके मम्मे दबाना चालू कर दिया।
मैं बहुत सख्ती से उसके मम्मे दबा रहा था।
उसे बहुत दर्द हो रहा था..

फिर मैंने कहा- नेहा डार्लिंग.. प्लीज़ टॉप उतारो।

उसने मना कर दिया..
लेकिन में नहीं माना, मैंने उसके हाथ ऊपर करके उसका टॉप निकाल दिया।

नेहा अब ब्रा और पैन्टी में मेरे नीचे दबी थी।

मैंने ब्रा में हाथ डाल कर उसके चूचे दबाना चालू कर दिए।

मैंने थोड़ी देर बाद ब्रा भी निकाल दी।
अब उसके नंगे मम्मे मेरे हाथों में थे।
मैंने उन्हें बहुत ज़ोर से दबा रहा था।
उसके चूचे एकदम लाल हो गए।

फिर मैंने अपनी जीभ नेहा की चूचियों पर लगाई.. उसे बहुत ज़ोर का झटका लगा।

मैं उसके मम्मों को चूसने लगा।
उसकी आँखें बंद हो गईं और सिसकारी निकलने लगी।
उसकी पैन्टी भी गीली होने लगी..
मैंने उसके मम्मे बहुत देर तक चूसे।

फिर मैंने उसे चुदाई के लिए बोला लेकिन उसने मना कर दिया।

मैं उसे चुदाई के लिए तैयार ही कर रहा था कि तभी मेरे पिताजी ने मुझे आकर जगा दिया।

मेरा वो हसीं सपना वहीं टूट गया।

मुझे गुस्सा तो बहुत आया पर कुछ बोला नहीं।

मैं उठने के बाद फ्रेश होकर नहाने के लिये बाथरूम में गया। मैंने आज पहली बार उसके नाम की मुट्ठ मारी थी और मुझे असीम आनन्द की प्राप्ति हुई।

फिर में नाश्ता करके कॉलेज में चला गया।
कहानी जारी रहेगी।

Other stories you may be interested in

मेरी क्लास का हैंडसम लड़का – गे स्टोरी

हैलो फ्रेंड्स, उम्मीद है, आप सब लोग ठीक होंगे. सबसे पहले मैं अपने बारे में बता देता हूं, मेरा नाम प्रिंस दीप है. मेरी उम्र 18 साल है, फिजिकली में गोलमटोल हूं. वैसे तो मैं नॉर्मल लड़कों की तरह ही […]
Full Story >>>

चचेरी बहन की चुदाई-1

प्रिय दोस्तो, मैं नीरज (बदला हुआ नाम) हूँ. अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है और बिलकुल सत्य है. लिखने में कोई गलती हो जाए तो माफ़ करना. मैंने अन्तर्वासना की सभी कहानी पढ़ी हैं, लेकिन मुझे भाई-बहन की कहानी […]
Full Story >>>

दीदी की बुर की सील तोड़ चुदाई

प्रिय दोस्तो, मैं यश अग्रवाल हूँ, अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली चुदाई की कहानी है. मैं अपनी सच्ची कहानी के माध्यम से सभी को बताना चाहता हूँ कि अपनी ही बहन को कैसे पटाते हैं और चोदते हैं. यह बात […]
Full Story >>>

गर्लफ्रैंड की मस्त मज़ेदार चुदाई

दोस्तो, मैं सैम शर्मा हाजिर हूँ अपनी एक और सेक्स स्टोरी के साथ कि कैसे मैंने लड़की पटाई और फिर उसकी चुदाई भी की। आपने मेरी पिछली सेक्स स्टोरी टीचर के साथ की पहला सेक्स पढ़ी ही होगी. मैं 21 […]
Full Story >>>

प्यारी बीवी की गांड चोदकर वीर्य भर दिया

नमस्ते दोस्तो, मैं कुमार सोलापुर से आपके लिये हमारी पति पत्नी की चुदाई की और एक नई सच्ची कहानी लेकर हाजिर हुआ हूँ. जिसे पढ़कर आपकी तबीयत जरूर खुश हो जाएगी. हम दोनों पति पत्नी जल्दबाजी में की गई चुदाई […]
Full Story >>>